



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 479]

नई दिल्ली, मंगलवार, अश्विन 8, 1985/आश्विन 16, 1907

No. 479]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 8, 1985/ASVINA 16, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग और कंपनियों कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 1985

प्रादेश

का. प्रा. 730 (प्र) :- केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के  
उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. प्रा.  
341 (अ), तारीख 10 नवम्बर 1978 द्वारा (जिसे हमें इसके पश्चात  
इस आदेश कहा गया है) वेस्ट बंगाल फार्मास्यूटिकल एंड फाइटोकैमिकल  
कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इयाकों हाऊस (दूसरी मजिद) 1 और  
1, बाथोर्न रोड, कलकत्ता- 700001, को (जिसे हमें इसके पश्चात  
उन प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) मैनेज डा. पाल जोहमान (इंडिया)  
लिमिटेड नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 10 नवम्बर,  
1978 से प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रारंभ करने के  
लिए प्राधिकृत किया था।

और केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक  
कार्य विभाग) के आदेश सं. का. प्रा. 793 (अ), तारीख 9  
अक्टूबर, 1981, सं. का. प्रा. 312 (अ), तारीख 8 मई, 1982,  
का. प्रा. 789 (अ), तारीख 9 नवम्बर, 1982, सं. का. प्रा.  
31 (प्र) तारीख 10 नवम्बर, 1983 सं. का. प्रा.  
34 (प्र), तारीख 8 मई, 1984, सं. का. प्रा. 825 (प्र), तारीख  
12 GI/35

9 नवम्बर, 1984, सं. का. प्रा. 926 (अ), तारीख 7 दिसम्बर,  
1984 और सं. का. प्रा. 104 (अ), तारीख 8 फरवरी, 1985  
और सं. का. प्रा. 595 (प्र), तारीख 8 अगस्त, 1985, द्वारा उद्योग  
(विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की  
धारा 18 चक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय की अनुज्ञा से उक्त  
प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 8 अक्टूबर,  
1985, तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छः वर्ष और सवारह  
मास की अवधि के लिए करने रहने के लिए समय समय पर निदेश दिये  
थे ;

और केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि जनसाधारण  
के हित में यह समीचीन था कि उक्त प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्योगिक  
उपक्रम का प्रबन्ध छः वर्ष और सवारह मास का अवधि का समाप्ति  
के पश्चात भी करता रहे, उक्त अधिनियम की धारा 18 चक की उपधारा  
(2) के परन्तु के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय को आवेदन किया  
था और उसके ऐसे प्रबन्ध को छः मास की और अवधि के लिए बनाए  
रखने के लिए प्रार्थना की थी ;

और उक्त उच्च न्यायालय ने, अपने आदेश तारीख 1 अक्टूबर,  
1985 द्वारा उक्त प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध  
6 मास की और अवधि के लिए करने रहने की अनुज्ञा दे दी थी ,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18 चक की उपधारा  
(2) के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश

(1)

देती है कि उक्त प्रावण 6 मास तक की, जिसमें 8 अप्रैल, 1986 का तारीख भी सम्मिलित है अवधि के लिए प्रमाणी बना रहेगा।

[फा. नं. 4 (2)/80-सी. यू. एम.]

ए. पी. सरवान, सयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 8th October, 1985

### ORDER

S.O. 730(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 641(E), dated the 10th November, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the West Bengal Pharmaceutical and Phytochemical Development Corporation Limited, Ilaco House, (2nd Floor), 1 and 3, Brabourne Road, Calcutta-700001, (hereinafter referred to as the said authorised person), to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Dr. Paul Lohmann (India) Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period of three years commencing on the 10th November, 1978;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 793(E), dated the 9th November, 1981, S.O. 312(E), dated the 8th May, 1982, S.O. 789(E), dated the 9th November, 1982, S.O. 801(E) dated the 10th November, 1983,

S.O. 364(E), dated the 8th May, 1984, S.O. 825(E), dated the 9th November, 1984, S.O. 926(E), dated the 7th December, 1984, S.O. 104(E), dated the 8th February, 1985 and S.O. 596(E), dated the 8th August, 1985, the Central Government, with the permission of the High Court at Calcutta under Section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) had from time to time directed the said authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a period of six years and eleven months, upto and inclusive of the 8th October, 1985;

And, whereas, the Central Government, being of the opinion that it was expedient in the interest of the general public that the said authorised person should continue to manage the said industrial undertaking after the expiry of the said period of six years and eleven months, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the said Act to the High Court at Calcutta praying for the continuance of such management for a further period of six months;

And, whereas, the said High Court, by its order dated the 1st October 1985, permitted the said authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the said Act, the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 8th April 1986.

[F. No. 4(2)/80-CUS

A. P. SARWAN, Jt. Secy